- **Mudrarakshasa** mentioned **6 main principles/limbs** or **shadanga** of paintings as:

Variety of form	**Rupabheda**
Portrayal of likeliness of the subject	**Sadrisyan**
Creation of luster and gleam with the colours	**Bhava**
Mixing of colours to resemble the effects of modelling	**Varnikabhanga**
Proportion of the object or subject	**Pramanam**

- **मुद्राराक्षस** ने चित्रकला के **छः मुख्य सिद्धांतों/अंगों अथवा षडांगो** का उल्लेख किया है जो इस प्रकार हैं :

रूप का भेद	रूपभेद
विषय की सादृश्यता का चित्रण	सादृश्यम
रंगों के साथ चमक और प्रकाश का निर्माण	भाव
मॉडलिंग के प्रभाव से साम्यता के लिए रंगों का मिश्रण	वर्णिकाभंग
वास्तु या विषय का अनुपात	प्रमाणन

Scanned with CamScanner

- There are many references to art of painting in the `Brahmanical and Buddhist literature. For ex., the representation of the myths and lore's **on textiles** that is known as **Lepya Chitra.** There are also references to the art of **Lekhya Chitra,** which has line drawings and sketches. Other types are **Dhuli Chitra, Pata Chitra** etc.

- ब्राह्मण और बौद्ध साहित्य में चित्रकला के कई सन्दर्भ हैं | उदाहरण के लिए- मिथकों और दन्त कथाओं का वस्त्रों पर निरूपण **लिप्या चित्र** के रूप में जाना जाता है| लेख्य चित्र के भी सन्दर्भ देखने को मिलते हैं जिसमे आरेखन और रेखाचित्र होते हैं| अन्य प्रकारों में **धूली चित्र, पटचित्र** आदि शामिल हैं |

Scanned with CamScanner

- चित्रकला का इतिहास भीमबेटका, मिर्जापुर और पंचमढ़ी के **प्राचीन शैल चित्रों** से जाना जा सकता है|
- इसके बाद सिन्धु घाटी सभ्यता के **चित्रित मृदभांडों** की बारी आती है|
- चित्रकला का आरम्भ मुख्यतः गुप्तकाल से हुआ |
- चौथी शताब्दी के दौरान **विशाखादत्त** ने अपना प्रसिद्ध संस्कृत नाटक **मुद्राराक्षस** लिखा जिसमे कई चित्रों का उल्लेख किया गया था|

Scanned with CamScanner